22 जनवरी 2024

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

आप सभी को एसएमसी की ओर से
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- खतेल वर्ष 2023-24 (नवंबर से अक्टूबर) के पहले दो महीनों में भारत के खाद्य तेल आयात में 20.38 प्रतिशत की गिरावट हुई है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत ने तेल वर्ष 2023-24 के पहले दो महीनों के दौरान 24.55 लाख टन खाद्य तेल का आयात किया, जबकि पिछले तेल वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 30.84 लाख टन हुआ था।
- भारत से रत्न और आभूषण निर्यात में पिछले महीने नौ प्रतिशत की गिरावट हुई है, जो दिसंबर 2022 के 2.4 बिलियन डॉलर से घटकर 2.19 बिलियन डॉलर का रह गया। इस वित्तीय वर्ष की पिछली तीन तिमाहियों में कुल निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि की (29 बिलियन डॉलर) तुलना में 21 प्रतिशत घटकर 23 बिलियन डॉलर (29 बिलियन डॉलर) रह गया।
- अप्रैल-दिसंबर 2023-24 में भारत का ऑयलमील निर्यात 24% बढ़ा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार भारत ने 2023-24 के अप्रैल-दिसंबर के दौरान 34.96 लाख टन ऑयलमील का निर्यात किया, जो 2022-23 की समान अवधि के 28.16 लाख टन के मुकाबले 24.16% की वृद्धि है।
- आईईए के अनुसार 2024 में वैश्विक स्तर पर तेल की खपत 1.24 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ जाएगी। यह कई महीनों में इसका लगातार तीसरा संशोधन था, लेकिन ओपेक के 2. 25 मिलियन बैरल प्रति दिन अनुमान से कम है।
- 2023 में भारत के कच्चे तेल के आयात में ओपेक के तेल की वार्षिक हिस्सेदारी अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में भारत के कच्चे तेल के आयात में ओपेक की हिस्सेदारी लगभग 49.6% तक कम हो गई, जबकि एक साल पहले यह 64.5% थी।
- ILZSG के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर जिंक बाजार में अक्टूबर में 62,500 टन जिंक की कमी से बढ़कर नवंबर 2023 में 71,600 मीट्रिक टन हो गई।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन 2023 में 3.7% बढ़कर 41.59 मिलियन मीट्रिक टन हो गया।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	12.01.24	18.01.24	बदलाव (%)
जीरा	29325.00	31550.00	7.59%
हल्दी	12938.00	13884.00	7.31%
कैस्टरसीड	5588.00	5842.00	4.55%
जौ	2083.00	2120.50	1.80%
स्टील	42330.00	42910.00	1.37%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	12.01.24	18.01.24	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6033.00	6152.00	1.97%
तांबा	712.40	713.35	0.13%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	12.01.24	18.01.24	बदलाव (%)
धान	4356.00	4251.00	-2.41%
कॉटनऑयलसीडकेक	2681.00	2625.00	-2.09%
सीसेमसीड	16725.00	16405.00	-1.91%
मक्का	2254.00	2226.00	-1.24%
कपास	1543.50	1529.50	-0.91%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	12.01.24	18.01.24	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	274.00	225.50	-17.70%
एल्युमीनियम	201.60	197.45	-2.06%
चांदी	72480.00	71615.00	-1.19%
लेड	182.15	180.25	-1.04%
सोना	62362.00	61769.00	-0.95%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ क्योंकि फेडरल रिजर्व की सख्त टिप्पणियों के कारण डॉलर सूचकांक में अपने निचले स्तर से रिकवरी दर्ज की गई । सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जबकि चीन के कमजोर आर्थिक आंकड़ों और डॉलर इंडेक्स में रिकवरी के कारण कच्चे तेल की कीमतों को झटका लगा। सोने की कीमतों में दिसंबर के दौरान प्राप्त अधिकांश बढ़त समाप्त हो गई और पिछले सप्ताह डॉलर और ट्रेजरी की यील्ड में उछाल के कारण 2,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे आने के करीब आ गई। डॉलर एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि दिसंबर में खुदरा बिक्री के आंकड़ों के अनुमान से अधिक मजबूत होने के बाद ट्रेजरी की यील्ड में वृद्धि जारी रही। लेकिन, तेल की कीमतों के लिए एक सहायक कारक ओपेक की ओर से मांग को लेकर जारी किया गया आउटलुक रिपोर्ट है। ओपेक बुधवार को 2024 में वैश्विक स्तर पर तेल की मांग में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि के अपने पूर्वानुमान पर कायम रहा और एक आश्चर्यजनक प्रारंभिक भविष्यवाणी में कहा कि 2025 में चीन और मध्य पूर्व में तेल के उपयोग में अधिक वृद्धि की संभावना है। 2025 का पूर्वानुमान पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन के विचार के अनुरूप है कि तेल का उपयोग अगले दो दशकों तक बढ़ता रहेगा, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी जैसे निकायों के विपरीत है, जो भविष्यवाणी करता है कि 2030 तक यह अधिकतम होगा क्योंकि दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर जाएगी। इसके अलावा, लाल सागर में संभावित हमलों से बचने के लिए अफ्रीका का चक्कर लगाने वाले जहाजों की बढ़ती संख्या के कारण ईंधन भरने के पैटर्न में बदलाव आ रहा है और मॉरीशस से दक्षिण अफ्रीका से लेकर कैनरी द्वीप तक दूर-दराज के बंदरगाहों पर बंकर ईंधन की मांग बढ़ रही है। मांग बढ़ने से नेचुरल गैस निचले स्तर से उछल गई। कई अमेरिकी क्षेत्रों में बर्फीली ठंड के कारण बुधवार को देश के कुछ हिस्सों में बिजली की मांग बढ़ गई, क्योंकि घरों और व्यवसायों ने हीटिंग और बिजली उत्पादन के लिए रिकॉर्ड मात्रा में नेचुरल गैस की खपत की। भीषण शीतकालीन तूफान के कारण पिछले सप्ताह देश के एक बड़े हिस्से में बर्फबारी हुई, जिससे टेक्सास में खाड़ी तट की एक रिफाइनरी बंद हो गई, अन्य में खराबी आ गई और नॉर्थ डकोटा का तेल उत्पादन आधा हो गया। बेस मेटल को भी गिरावट के दबाव का सामना करना पड़ा, जो फेड के सख्त रुख और चीन के निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों दोनों से प्रभावित हुआ है। चीन को लेकर चिंताएं पिछले दो वर्षों में तांबे की कीमतों पर एक प्रमुख दबाव रही हैं, क्योंकि बाजारों को डर था कि दुनिया के सबसे बड़े आयातक में धीमी वृद्धि से तांबे की मांग कम हो जाएगी। हाल के महीनों में चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार के कम संकेत दिखने से यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है।

कृषि कमोडिटीज में पांच सप्ताह की गिरावट के बाद अरंडी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई जिससे कीमतों को बहुत जरूरी समर्थन मिला। लेकिन, कॉटन कैंडी की कीमतों में लगातार छठे सप्ताह गिरावट हुई। इसी तरह की प्रवृत्ति कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में भी देखी गई, जिसे कमजोर मांग के कारण लगातार आठवें सप्ताह गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। कपास में भी बिकवाली कायम रही। मसाला बाजार में, जीरा और हल्दी में नयी खरीदारी हुई, जबकि धनिया की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रहीं। दूसरी ओर, उच्च स्तर को बरकरार रखने में असमर्थ रहने के बाद ग्वार बाजार को मुनाफावसूली का सामना करना पड़ा।

कमोडिटी

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	12.01.2024	18.01.2024	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2,080.00	2,120.00	1.92%
चना	दिल्ली	6000.20	5856.65	-2.39%
धनिया	कोटा	7421.85	7405.65	-0.22%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	790.10	796.10	0.76%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1412.90	1427.00	1.00%
ग्वारसीड	जोधपुर	5416.25	5481.70	1.21%
ग्वारगम	जोधपुर	10707.85	10814.35	0.99%
जीरा	ऊंझा	30858.20	31062.40	0.66%
सरसों	जयपुर	5656.55	5545.40	-1.96%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	920.00	910.00	-1.09%
सोयाबीन	इंदौर	4953.90	4858.70	-1.92%
हल्दी	निजामाबाद	12887.60	13051.15	1.27%
गेहूं	दिल्ली	2713.50	2650.00	-2.34%
कॉटन	कड़ी	26484.80	26484.80	0.00%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2709.55	2665.50	-1.63%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	12.01.2024	18.01.2024	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2219.50	2163.50	-2.52%
तांबा	LME	नकद	8339.00	8310.00	-0.35%
लेड	LME	नकद	2091.00	2076.50	-0.69%
निकल	LME	नकद	16343.00	16156.00	-1.14%
जिंक	LME	नकद	2514.00	2462.50	-2.05%
सोना	COMEX	फरवरी	2051.60	2021.60	-1.46%
चांदी	COMEX	मार्च	23.33	22.81	-2.24%
लाइट क्रूड	NYMEX	फरवरी	72.68	74.08	1.93%
नेचुरल गैस	NYMEX	फरवरी	3.31	2.70	-18.59%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	12.01.2024	18.01.2024	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	मार्च	12.24	12.24	0.00%
सोया तेल	CBOT	मार्च	48.25	48.01	-0.50%
कॉटन	ICE	मार्च	81.31	82.51	1.48%
सीपीओ	BMD	अप्रैल	3,856.00	3,895.00	1.01%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	11.01.2024 क्वांटिटी	18.01.2024 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	16067	16067	0
बाजरा	मी.टन	543	543	0
कैस्टर सीड	मी.टन	5386	5025	-361
धनिया	मी.टन	6249	5013	-1236
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	17787	26141	8354
ग्वारगम	मी.टन	25725	25666	-59
ग्वारसीड	मी.टन	25862	25196	-666
जीरा	मी.टन	528	542	14
स्टील	मी.टन	707	707	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	12.01.2024 क्वांटिटी	18.01.2024 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	998	983	-15
तांबा	मी.टन	3592047	3448522	-143525
सोना	किग्रा	361	341	-20
सोना मिनी	किग्रा	2456	2456	0
सोना गिनी	किग्रा	249100	170200	-78900
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	119907	120681	774
चांदी एम	किग्रा	39128	39118	-10
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 12.01.2024	स्टॉक की स्थिति 18.01.2024	अंतर
एल्युमीनियम	558550	556300	-2250.00
तांबा	155025	157325	2300.00
निकल	69012	69438	426.00
लेड	119050	112625	-6425.00
जिंक	209200	204125	-5075.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	मार्च	27095.00	10.10.23	मंदी	58000.00	-	28500.00	28600.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	13884.00	18.01.24	तेजी	13900.00	13550.00	-	13500.00
NCDEX	ग्वारसीड	फरवरी	5520.00	18.01.24	तेजी	5500.00	5330.00	-	5300.00
NCDEX	कैस्टरसीड	फरवरी	5683.00	18.01.24	तेजी	5650.00	5520.00	-	5500.00
NCDEX	सुरजमुखी तेल	फरवरी	852.80	03.01.24	तेजी	820.00	805.00	-	800.00
NCDEX	स्टील लांग	फरवरी	43790.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	44700.00	44750.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	फरवरी	2667.00	14.12.23	मंदी	2800.00	-	2840.00	2850.00
MCX	मेंथा ऑयल	जनवरी	920.80	27.09.23	मंदी	930.00	-	958.00	960.00
MCX	बुलडेक्स	फरवरी	16018.00	10.10.23	तेजी	15000.00	15840.00	-	15800.00
MCX	चांदी	मार्च	71615.00	10.10.23	तेजी	69000.00	69050.00	-	69000.00
MCX	सोना	फरवरी	61769.00	10.10.23	तेजी	57500.00	61050.00	-	61000.00
MCX	**तांबा**	**जनवरी**	**713.35**	**18.01.24**	**साइडवेज**	**715.00**	**700.00**	**730.00**	**-**
MCX	लेड	जनवरी	180.25	28.11.23	साइडवेज	187.00	175.00	188.00	-
MCX	जिंक	जनवरी	219.45	02.01.24	मंदी	231.00	-	234.00	235.00
MCX	एल्युमिनियम	जनवरी	197.45	02.01.24	मंदी	210.00	-	209.00	210.00
MCX	**कच्चा तेल**	**फरवरी**	**6157.00**	**18.01.24**	**तेजी**	**6150.00**	**5840.00**	**-**	**5800.00**
MCX	**नेचुरल गैस**	**जनवरी**	**225.50**	**18.01.24**	**मंदी**	**235.00**	**-**	**245.00**	**250.00**

*18/01/2024 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम साप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस साप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 745.85** **निचला स्तर: 720.75**

एमसीएक्स में तांबा (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 18 जनवरी 2024 को 723.75 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 726.78 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 44.74 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

695.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 730.00 रू के टारगेट के लिए 705.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

हल्दी (अप्रैल) एनसीडीईएक्स

हल्दी (अप्रैल) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 14700.00** **निचला स्तर: 13580.00**

एनसीडीईएक्स में हल्दी (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 18 जनवरी 2024 को 14586.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 13832.78 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 70.10 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

13800.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 15200.00 रू के टारगेट के लिए 14200.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कच्चा तेल (फरवरी) एमसीएक्स

कच्चा तेल (फरवरी) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 6521.00** **निचला स्तर: 6149.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 18 जनवरी 2024 को 6195.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6088.39 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 61.29 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6000.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6400.00 रू के टारगेट के लिए 6150.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

निजामाबाद बाजार में नयी आवक में देरी के कारण हल्दी की कीमतों में तेज रिकवरी हुई है। तेलंगाना में फसल कटाई गतिविधियों में देरी हुई है जिससे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आवक की गति प्रभावित हुई है। चालू वर्ष (2024-25) में हल्दी का कुल उत्पादन पिछले वर्ष (2023-24) की तुलना में कम होने की उम्मीद है। इसका कारण हल्दी के रकबे में कमी है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में साल-दर-साल 8%-10% की गिरावट का अनुमान है। जनवरी के अंत तक नई आवक शुरू होने की उम्मीद है और फरवरी के बाद इसमें तेजी आने की संभावना है। निर्यात पूछताछ निराशाजनक है, जो संभवत: अंतरराष्ट्रीय बाजार में चुनौतियों या अन्य उत्पादक देशों के साथ प्रतिस्पर्धा का संकेत दे रही है जो बढ़त को सीमित कर सकती है। भारत ने अक्टूबर-23 में लगभग 10.13 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 11.17 हजार टन निर्यात हुआ था। आने वाले दिनों में हल्दी (अप्रैल) की कीमतों के 13600-15500 के दायरे में रहने की संभावना है।

जीरा वायदा की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है क्योंकि कीमतें हाल के निचले स्तर से उबरने की कोशिश कर रही थीं। उभरती निर्यात मांग और हाजिर कीमतों में मजबूती से वायदा कीमतों को तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने में मदद मिली। बेहतर हाजिर मांग के कारण आने वाले दिनों में वायदा कीमतों में मजबूती जारी रहने की संभावना है। मार्च डिलीवरी के कॉन्ट्रैक्ट की तुलना में हाजिर कीमतें लगभग 4100 के प्रीमियम पर हैं, जिससे लंबी अवधि में वायदा कीमतों को बढ़ावा मिलेगा। बाजार में गुणवत्तापूर्ण फसल की सीमित उपलब्धता अभी भी बाजार के लिए बड़ी चुनौती है और मार्च-अप्रैल में त्योहारी मांग से पहले नयी खरीदारी की संभावना है। आगे बंपर उत्पादन के मद्देनजर बढ़त सीमित रहने की संभावना है। वर्ष 2024-25 में उत्पादन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण कुल उत्पादन में साल-दर-साल 30% की वृद्धि होने की उम्मीद है। जीरा की कीमतें मौजूदा दरों पर प्रतिस्पर्धी हो गई हैं, जिससे निर्यात की गति में वृद्धि हुई है। जीरा की कीमतों के 23200-33400 के दायरे में रहने की संभावना है।

भौतिक बाजार में खरीदारी में सुधार के कारण पिछले सप्ताह धनिया की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। आगामी सीजन में कमजोर उत्पादन अनुमान और मजबूत निर्यात मांग के कारण कीमतों में तेजी का रूझान रहा। भारत ने पिछले साल के 2.2 हजार टन के मुकाबले अक्टूबर-23 में लगभग 3.9 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-अक्टूबर-23 के दौरान कुल निर्यात 70.12 हजार टन दर्ज किया गया, जो साल-दर-साल 271% अधिक है। मौसम की अनुकूल स्थिति के कारण फसल की स्थिति संतोषजनक है जिससे कीमतों में अत्यधिक वृद्धि पर रोक लगेगी। मार्च में नई फसल के बाजार में आने की संभावना है और अंतिम स्टॉक अधिक हो गया है। धनिया की कीमतों के 7300-8400 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

सप्ताह के अधिकांश भाग में कपास की कीमतें दबाव में रहीं। सुस्त औद्योगिक मांग और भारतीय कपास की सीमित निर्यात पूछताछ ने बाजार के सेंटीमेंट पर असर डाला। आवक पूरे जोर-शोर से हो रही है और जनवरी-24 के अंत तक साल-दर-साल लगभग 10%-13% अधिक होने की संभावना है। कपास की कुल आवक 18 जनवरी तक 119.4 लाख गांठ तक पहुंच गई है, जो पिछले साल 115.7 गांठ थी। सूत की धीमी मांग और कताई मिलों के घटते लाभ मार्जिन ने कपास की कुल मांग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। वर्ष 2023-24 में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण कपास की कीमतों में गिरावट सीमित रहने की संभावना है। कपास का रकबा कम होने के कारण बाजार वर्ष 2023-24 में कपास उत्पादन में साल-दर-साल 2% की गिरावट आने की संभावना है। बुवाई की प्रगति के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण कपास का रकबा पिछले वर्ष के 129.27 लाख हेक्टेयर की तुलना में वर्ष 2023-24 में घटकर 123.8 लाख हेक्टेयर रह गया। वर्ष 2023-24 में कपास का उत्पादन पिछले 15 वर्षों में सबसे कम होने का अनुमान है जो आपूर्ति की कमी के रूप में प्रतिबिंबित होगा। भारतीय कपास निगम ने 11 जनवरी 2024 तक लगभग 20.29 लाख गांठ कपास की खरीद की और इसके जारी रहने की संभावना है जिससे कीमतों में गिरावट पर अंकुश लगेगा। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों के 54200-56500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1500-1600 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों के 2570-2850 के दायरे में रहने की संभावना है।

औद्योगिक खरीदारी में नरमी के कारण ग्वारसीड वायदा कीमतों में नरमी का रूझान रहा। बाजार में अधिक स्टॉक और बढ़ी हुई आवक ने बाजार के सेंटीमेंट पर असर डाला। आने वाले महीनों में आवक में गिरावट की उम्मीद से ग्वार की कीमतों में कमजोरी सीमित रहने की संभावना है। ग्वारसीड की मौसमी कीमतों से पता चलता है कि बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान कीमतें बढ़ेंगी। ग्वारमील की मांग बढ़ने की संभावना है जिससे पेराई मांग अधिक रहेगी और इसका असर ग्वारसीड की कीमतों पर पड़ने की संभावना है। हाल के महीनों में ग्वारमील की निर्यात मांग बढ़ी है जिससे कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। भारत ने अक्टूबर-23 में पिछले वर्ष के 9 हजार टन की तुलना में लगभग 16.9 हजार टन ग्वारमील का निर्यात किया है, जो साल-दर-साल 87% अधिक है। वर्ष 2023-24 में ग्वारसीड का कुल उत्पादन साल-दर-साल 11% -13% कम हो गया है। उत्पादन में इस कमी के परिणामस्वरूप मिल मालिकों के पास भंडार का स्तर कम हो गया है। लेकिन ग्वार गम की धीमी निर्यात मांग से अत्यधिक बढ़त पर रोक लग सकती है। ग्वारसीड की कीमतों को 5200 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 5800 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 10000 पर सपोर्ट रहने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 11400 पर देखा जा सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने से मेंथा ऑयल की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। वर्ष 2023 में उत्पादन में गिरावट के साथ आपूर्ति में गिरावट हुई है और इससे आगे भी कीमतों को समर्थन मिलेगा। लेकिन मेंथा ऑयल का सुस्त निर्यात अभी भी निर्यातकों के लिए बड़ी चिंता का विषय है, जिससे बढ़त सीमित रह सकती है। भारत ने अप्रैल 23-अक्टूबर 23 के दौरान लगभग 7.3 हजार टन मेन्थॉल का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष के 8.6 हजार टन की तुलना में यह साल-दर-साल 15% कम है। मेंथा ऑयल वायदा की कीमतों को 900 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है और 960 पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण अरंडी की कीमतों में बढोतरी होने की संभावना है। आवक कम हो गई है क्योंकि किसान कीमतों में और वृद्धि की उम्मीद में अपना स्टॉक जारी करने में अनिच्छुक हैं। लेकिन कैस्टर मील के निर्यात में गिरावट की रिपोर्ट से बढ़त पर रोक लग सकती है। भारत ने अप्रैल 23-अक्टूबर 23 के दौरान लगभग 213 हजार टन अरंडी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 189 हजार टन निर्यात हुआ था। अरंडी वायदा की कीमतों के 5400-6000 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

सोने की कीमतों को पिछले छह सप्ताह में सबसे चुनौतीपूर्ण सप्ताह का सामना करना पड़ा, क्योंकि अमेरिकी केंद्रीय बैंकरों के रुख के बाद अमेरिकी डॉलर और बांड की यील्ड बढ़ गई, जिसने ब्याज दरों में कटौती की शुरुआती उम्मीदों को कम कर दिया। सोने की कीमतों को गिरावट के दबाव का सामना करना पड़ा क्योंकि व्यापारियों ने मजबूत आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के वक्ताओं के सख्त बयानों के जवाब में अपनी दर में कटौती की उम्मीदों को फिर से कम कर दिया। इससे आम तौर पर मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव से जुड़ी सुरक्षित-निवेश की मांग की भरपाई हुई। सप्ताह के दौरान डॉलर सूचकांक लगभग 1% बढ़ गया, जबकि बेंचमार्क अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी पर यील्ड पांच सप्ताह के नए उच्च स्तर 4.1710% पर पहुंच गई। अटलांटा फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष राफेल बॉस्टिक ने कहा कि वह अनुमान से भी पहले दरों में कटौती के लिए तैयार हैं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मुद्रास्फीति कितनी तेजी से कम होती है। एलएसईजी के ब्याज दर संभाव्यता ऐप (आईआरपीआर) के अनुसार बाजार सेंटीमेंट ने फेड दर में कटौती की उम्मीदों को एक सप्ताह पहले के 150 बेसिस प्वाइंट से घटाकर 139 बेसिस प्वाइंट कर दिया है। आईआरपीआर के अनुसार, मार्च में कटौती की संभावना भी पिछले सप्ताह के लगभग 71% से घटकर 55% हो गई। कॉमेक्स पर, सोने की कीमतों को 2060 डॉलर के आसपास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ा और 1990 डॉलर के करीब सपोर्ट मिला। किसी भी दिशा में एक निर्णायक कदम से अगले रुझान की दिशा तय हो सकती है। इस बीच, चांदी की कीमतों के 21.90 डॉलर से 23.40 डॉलर के व्यापक दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में नरमी जारी रह सकती हैं, और कीमतों को 61000 के करीब सपोर्ट और 62500 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। चांदी की कीमतों के सोने के नक्शेकदम पर कारोबार करने की उम्मीद है, जो 68700-73000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर तेल की बेहतर मांग की संभावना से उत्साहित होकर कच्चे तेल की कीमतें साप्ताहिक स्तर पर बढ़त के साथ बंद हुई। मध्य-पूर्व क्षेत्र में चल रहे भू-राजनीतिक जोखिमों, यमन में हौथी ठिकानों पर अतिरिक्त अमेरिकी हमलों से चिंताएं बढ़ीं और तेल की कीमतों को समर्थन मिला। ऊर्जा सूचना प्रशासन के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह में अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में 2.5 मिलियन बैरल की भारी गिरावट हुई है, जो अनुमानित 313,000 बैरल की गिरावट को पार कर गई है। मांग के मोर्चे पर, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने चौथी तिमाही में बेहतर आर्थिक विकास और कच्चे तेल की कम कीमतों का हवाला देते हुए, 2024 में तेल मांग में अपनी वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 1.24 मिलियन बैरल प्रति दिन कर दिया। इस बीच, ओपेक ने भी 2024 में 2.25 मिलियन बैरल प्रति दिन मांग वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को बनाए रखा, और 2025 में 1.85 मिलियन बैरल प्रति दिन वृद्धि की उम्मीद है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया क्योंकि पाकिस्तान ने ईरान के अंदर आतंकवादियों पर जवाबी हमले शुरू कर दिए। जैसे-जैसे क्षेत्र में अस्थिरता फैलती गई, कारोबारियों ने छोटी पोजीशन लेने से परहेज किया और चीन की सुस्त आर्थिक सुधार के बीच लंबी पोजीशन बनाने में सावधानी बरती। अमेरिकी चुनाव नजदीक आने पर अमेरिका-चीन संघर्ष में संभावित बढ़ोतरी के बारे में भी चिंताएं बनी हुई हैं, जिससे ऊर्जा मांग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस सप्ताह में कच्चे तेल की कीमतों में अधिक अस्थिरता रहने की उम्मीद है, और कीमतों को 5900 के करीब सपोर्ट और 6350 के करीब रेजिस्टेंस रह सकता है। इसके विपरीत, गैस भंडार में उम्मीद से कम गिरावट के कारण अमेरिकी नेचुरल गैस की कीमतें दो सप्ताह के निचले स्तर पर आ गईं। जनवरी के अंत में गर्म मौसम के कारण संभावित कम मांग और बढ़े हुए उत्पादन के कारण इस सप्ताह में नेचुरल गैस की कीमतों के 200 से 250 के बीच कारोबार करने की संभावना है। कारोबारियों को संभावित बाजार बदलावों के लिए इन कारकों पर बारीकी से नजर रखनी चाहिए।

बेस मेटल

ब्याज दरों में कटौती पर अनिश्चितता और शीर्ष धातु उपभोक्ता चीन में कमजोर आर्थिक सुधार के कारण बेस मेटल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार सकती है। आंकड़ों से पता चलता है कि चीन का आर्थिक विकास पूर्वानुमानों से कमजोर रहा, जबकि भारी कर्ज वाले संपत्ति क्षेत्र की बिक्री में गिरावट जारी रही। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का अनुमान है कि 2024 में चीन के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि पिछले उच्च स्तर से कम होकर लगभग 4.5% होगी। रियल एस्टेट के निवेश में साल-दर-साल 9.4% की गिरावट हुई है, जो लगातार छठी तिमाही में गिरावट है। लेकिन, काउंटर को कुछ समर्थन मिल सकता है क्योंकि चीन द्वारा 139 बिलियन डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज पर विचार करना आर्थिक विकास को समर्थन देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, लेकिन यह उसके ऋण-आधारित दृष्टिकोण की स्थिरता पर सवाल उठाता है। तांबें की कीमतें 705-725 के दायरे में कारोबार कर सकती है। राज्य एजेंसी कोचिल्को के अनुसार, निर्माणाधीन परियोजनाओं में देरी के कारण, चिली में तांबे का उत्पादन पिछले साल के अनुमान की तुलना में इस दशक में धीमी दर से बढ़ेगा। जिंक की कीमतें 212-228 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। ILZSG के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर जिंक बाजार में अक्टूबर में 62,500 टन जिंक की कमी से बढ़कर नवंबर 2023 में 71,600 मीट्रिक टन हो गई। लेड की कीमतें 178-185 के दायरे में कारोबार कर सकती है। घरेलू मूल्य निर्धारण एजेंसी एसएमएम के अनुसार, चीन का द्वितीयक या पुनर्नवीनीकृत लेड उत्पादन, जो कुल उत्पादन का आधा हिस्सा है, दिसंबर में घटकर 342,000 टन रह गया, जो पिछले महीने से 23% कम है। एल्युमीनियम की कीमतें 192-208 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। चीन का प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन 2023 में 41.59 मिलियन मीट्रिक टन के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, लेकिन देश के दक्षिण-पश्चिम में स्मेल्टरों पर मौसम संबंधी प्रतिबंधों के बीच विकास दर धीमी हो गई। स्टील लॉन्ग (फरवरी) वायदा की कीमतें तेजी के रूझान के साथ 43600-45000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

2023-24 में चीनी उत्पादन.....बढ़ती मिठास

भारत में चीनी राजनीतिक रूप से अत्यधिक संवेदनशील कमोडिटी है। यदि चीनी की कीमतें आसमान छूती हैं, तो इससे सभी को नुकसान होता है और यदि कीमतें बहुत अधिक गिरती हैं, और उत्पादन लागत से कम हो जाती हैं, तो इससे किसानों के साथ-साथ चीनी उत्पादकों को भी नुकसान होता है। चीनी उत्पादन में भारत विश्व स्तर पर प्रथम स्थान पर है। इसने 2022 में लगभग 37 मिलियन मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन किया। यह न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में गन्ना किसानों की आजीविका के लिए जिम्मेदार है बल्कि चीनी मिलों में लगभग 500 हजार श्रमिकों को रोजगार भी प्रदान करता है। अग्रणी चीनी उत्पादक होने के अलावा, भारत 2022 में दुनिया में चीनी का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी था।

नवीनतम गतिविधि

1 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुए मौजूदा सीजन में 15 जनवरी तक भारत में चीनी उत्पादन 14.87 मिलियन टन हुआ है जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सात प्रतिशत कम है। सरकारी पहल, जैसे गन्ने का इस्तेमाल चीनी उत्पादन के बजाय इथेनॉल के लिए करना, के कारण कुल चीनी उत्पादन में गिरावट में हुई है, लेकिन महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में जारी नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ) के आंकड़ों के मुताबिक, 31 दिसंबर तक 511 फैक्ट्रियों के मुकाबले अब 509 फैक्ट्रियां चालू हैं।

चूंकि चीनी रिकवरी दर पिछले वर्ष के बराबर है, इसलिए वास्तविक चीनी उत्पादन इस बात पर निर्भर करेगा कि गन्ने की कितनी फसल पेराई के लिए मिलों में आती है। देश भर में चीनी मिलों ने 2023-24 चीनी सीजन में 1 अक्टूबर से 15 जनवरी के बीच 156.3 मिलियन टन गन्ने की पेराई की है और 9.51 प्रतिशत की औसत चीनी रिकवरी के साथ 14.87 मिलियन टन चीनी का उत्पादन किया है। पिछले सीजन की समान अवधि में, 519 मिलें चालू थीं और उन्होंने 9.52 प्रतिशत की औसत चीनी रिकवरी के साथ 16 मिलियन टन चीनी का उत्पादन करने के लिए 168.15 मिलियन टन गन्ने की पेराई की थी। मौजूदा सीजन के लिए कुल चीनी उत्पादन कम से कम 30.55 मिलियन टन होने का अनुमान है।

चीनी उत्पादन के लिए गन्ने की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा पहल की गई है। सरकार ने इथेनॉल के लिए गन्ने के रस पर प्रतिबंध लगाने और भारी गुड़ से इथेनॉल की दरें बढ़ाने जैसे उपाय लागू किए हैं। इन कार्रवाइयों के कारण गन्ने का इस्तेमाल चीनी उत्पादन की ओर बढ़ गया है।

राज्यवार उत्पादन

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य हैं। चालू चीनी सीजन के अंत तक उत्तर प्रदेश में 11.5 मिलियन टन, महाराष्ट्र में 9 मिलियन टन, कर्नाटक में 4.2 मिलियन टन, तमिलनाडु में 1.2 मिलियन टन और गुजरात में 1 मिलियन टन चीनी का उत्पादन होने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश में, 120 चीनी मिलें चालू हैं और अक्टूबर 2023-सितंबर 2024 सीजन के 15 जनवरी तक 9.90 प्रतिशत औसत रिकवरी के साथ 4.61 मिलियन टन चीनी का उत्पादन करने के लिए 46.57 मिलियन टन गन्ने की पेराई की गई है, जबकि 117 कारखानों ने 44.12 मिलियन टन गन्ने की पेराई की है और 9.10 प्रतिशत रिकवरी के साथ 4.02 मिलियन टन चीनी का उत्पादन किया है।

दूसरी ओर, महाराष्ट्र में 197 चीनी मिलों ने 54.84 मिलियन टन गन्ने की पेराई कर 9.3 प्रतिशत रिकवरी के साथ 5.1 मिलियन टन चीनी का उत्पादन किया है, जबकि 204 चीनी मिलों ने 63.39 मिलियन टन गन्ने की पेराई कर 9.6 प्रतिशत रिकवरी के साथ 6.09 मिलियन टन चीनी का उत्पादन किया है।

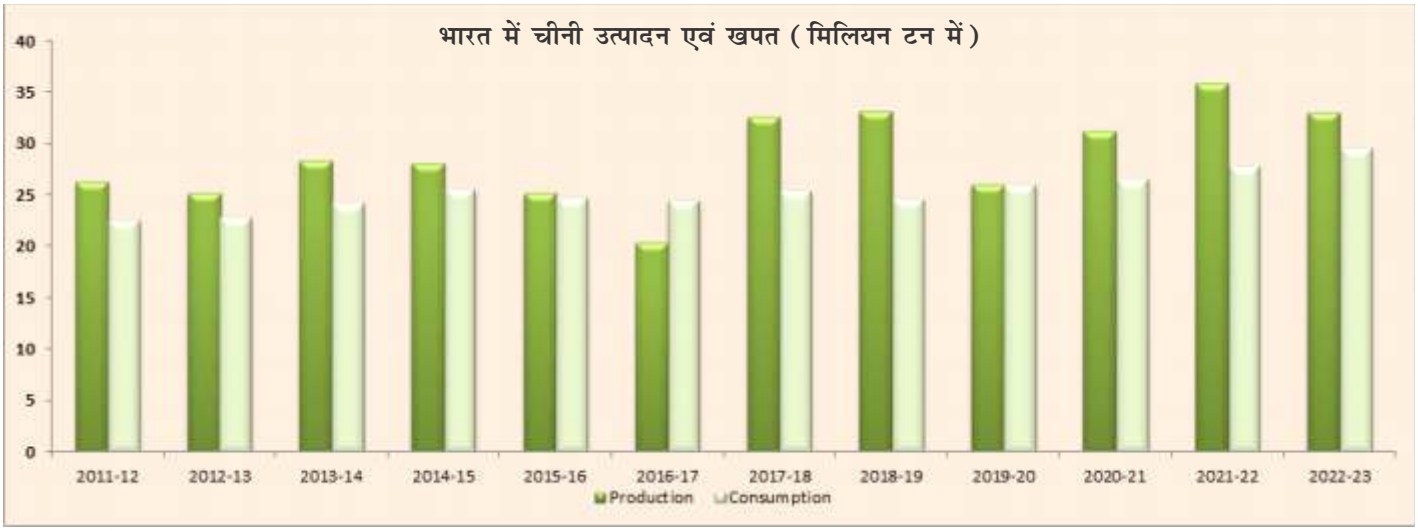

स्रोतः आईएसएमए और पीआईबी

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।